स्प्रिंगर नेचर इंडिया की रिसर्च टूर आईआईएम राँची पहुंची

अनुसंधान गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने पर मंथन

रांची, विशेष संवाददाता। स्प्रिंगर नेचर और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय की ओर से केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में मंगलवार को इंडिया रिसर्च टूर आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य भारत के विवि में अनुसंधान की गुणवत्ता, पारदर्शिता और पहुंच को सुदृढ़ बनाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो केबी पांडा ने कहा कि यह पहल उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध संस्कृति को नई दिशा देने का कार्य करेगी। उन्होंने स्प्रिंगर नेचर और आईसीएसएसआर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

एआई की भूमिका पर चर्चा: कार्यक्रम में अनुसंधान में सत्यनिष्ठा, ओपन एक्सेस की अवधारणा, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन, ई-बुक्स जागरुकता, 'संपादकीय बोर्ड सदस्य की भूमिका', 'विज्ञान और शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी व प्रकाशन में एआई की भूमिका पर चर्चा की गई।

वहीं, विवि की महिला शिक्षकों को अकादमिक उत्कृष्टता और समावेशी शोध वातावरण निर्माण के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षिकाओं में डॉ निर्मली बोरदोलोई (पर्यावरण विज्ञान), डॉ तनुश्री कुंडू (भूगोल), डॉ शिखा चौरसिया (सिविल इंजीनियरिंग), डॉ संहिता सुचरिता (अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन) और डॉ प्रज्ञा शुक्ला (अंग्रेजी अध्ययन) शामिल थीं।

आईआईएम पहुंची स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर की टीम

रांची, विसं। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में सोमवार को स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर की टीम पहुंची। शिक्षा मंत्रालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) की पहल पर हुई इस यात्रा का उद्देश्य देश में शोध को प्रोत्साहन देना और शोधार्थियों के बीच संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम में आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव, स्प्रिंगर नेचर इंडिया के प्रबंध निदेशक वेंकटेश सर्वसिद्धि व आईसीएसएसआर की उपनिदेशक डॉ मल्लिका शंकर उपस्थित थे। प्रो श्रीवास्तव ननें कहा कि वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन योजना शोध के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे देश के सभी संस्थानों के शोध संसाधन एक मंच पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि आईआईएम रांची ने शोध की दिशा में निरंतर प्रगति की है और एनआईआरएफ की शोध श्रेणी में देश के आईआईएम्स में आठवां स्थान प्राप्त किया है।

Hindustan_29.10.2025_P. 4

आइआइएम रांची पहुंची स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर की टीम

आइआइएम रांची में पौधरोपण करते अतिथि.

रांची. आइआइएम रांची में सोमवार को स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर-2025 की टीम पहुंची. यह यात्रा शिक्षा मंत्रालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) की पहल पर आयोजित की जा रही है. इसका उद्देश्य देशभर के इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इम्पोर्टेंस के अंतर्गत आनेवाले शैक्षणिक संस्थानों में शोध कार्य को बढ़ावा देना है. यात्रा छह अक्तूबर को नयी दिल्ली से शुरू हुई है, जिसका समापन 11 नवंबर को ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में होगा. स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर का उद्देश्य "विचार, ज्ञान और ज्ञान के प्रभाव को दिशा देने की पहल" के साथ देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से संवाद करना है. इस अवसर पर स्प्रिंगर नेचर इंडिया के प्रबंध निदेशक वेंकटेश सर्वसिद्धि, आइसीएसएसआर की उपनिदेशक डॉ मल्लिका शंकर, आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव, प्रो तनुश्री दत्ता और प्रो मनीष बंसल आदि उपस्थित थे.

Prabhat Khabar_29.10.2025_P. 6

इंडिया रिसर्च टूर रांची पहुंचा, आईआईएम व सीयूजे के शोधकर्ताओं से हुई मुलाकात

रिसर्च वर्क में क्वालिटी, डायवर्सिटी और इनोवेशन को बढ़ावा देने पर हुआ मंथन

रांची| रिसर्च में क्वालिटी, डायवर्सिटी और इनोवेशन को बढ़ावा देने की पहल को लेकर इंडिया रिसर्च टूर 2025 सोमवार को रांची पहुंचा। इस यात्रा के तहत, टीम ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और विद्वानों के साथ संवाद किया। यह यात्रा 6 अक्टूबर से 13 नवंबर 2025 तक चलेगी और इसमें 7 राज्यों के 15 शहरों के 29 संस्थान शामिल होंगे। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य ओपन एक्सेस और ओपन साइंस को बढ़ावा देना, शोध की ईमानदारी को मजबूत करना, ई-बुक्स के उपयोग को प्रोत्साहित करना, संपादकीय बोर्ड के सदस्यों की भर्ती में सहायता करना और शोध में विविधता व समावेशिता को बढ़ावा देना है। इसका आयोजन स्प्रिंगर नेचर और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से किया गया। इंडिया रिसर्च टूर 2025 का औपचारिक उद्घाटन 6 अक्टूबर को नई दिल्ली में इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च में

किया गया था। इसके बाद से यह यात्रा उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख संस्थानों आईआईटी कानपुर, आईआईएम गया और आईआईटी पटना में शोधकर्ताओं के साथ संवाद और सहभागिता करती हुई आगे बढ़ी है। है। स्प्रिंगर नेचर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर वेंकटेश सर्वसिद्धि ने कहा कि रांची भारत के रिसर्च माहौल की विविधता और ऊर्जा का प्रतीक है। इंडिया रिसर्च टूर के माध्यम से हमारा उद्देश्य झारखंड की बढ़ती भूमिका को उजागर करना है।

Dainik Bhaskar_29.10.2025_P. 07